# क्रानिक गैर-संक्रामक बीमारियों की रोकथाम को किया जागरूक

करवाए गए एक सम्मेलन के दौरान अस्पताल के डाक्टर संबोधित करते हुए व वहां पर उपस्थित गणमान्य लोग। (छाया : जी.एस. लाली)

अमृतसर, 31 मार्च (मनोज कुमार): फोर्टिस एस्कार्टस अस्पताल, क्रानिक केयर फडरेशन और इंपैक्ट सीनियर लिविंग स्टेट्स की ओर से आज एक सम्मेलन आयोजित कर बुजुर्गों, महिलाओं को क्रानिक गैर-संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरुक किया गया। सम्मेलन को संबोंधित करते क्रानिक केयर फडरेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. रत्ना देवी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गैर संक्रामक बीमारियां व्यक्ति विशेष ही नहीं, पूरे समाज को दीन-हीन बना देती है। इसलिए अत्यंत जरूरी है कि हम यथाशीघ्र इन बीमारियों की रोकथाम और इलाज की सर्वश्रेष्ठ प्रचलित पद्धतियों के बारे मे लोगों को जागरूक करे। देश को क्रानिक गैर-संक्रामक बीमारियों के बोझ से आजाद करने के लिए समाज के सभी वर्गों जैसे कि सार्वजनिक संगठन, चिकित्सा पेशे से जुड़े लोग मीडिया और समाज के सबसे कमजोर वर्गो के लोग अर्थात् महिलाएं व वरिष्ठ नागरिकों की इस काम में योगदान बहत जरूरी है। क्रानिक केयर फाउडेशन का प्रयास सामुदायिक स्तर पर जागरूकता लाना और राष्ट्र एवं राज्य स्तर पर सेवा देने वालों के साथ साथ संसाधन जुटाने की मांग करने वालों में जागरूकता लाना है।

इस दौरान फोर्टिस एस्कार्ट्स अस्पताल अमृतसर के चिकित्सा अधीक्षक डा. एच.पी. सिंह और उसी अस्पताल के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ सलाहकार डा. अरुण चोपड़ा ने वरिष्ठ नागरिकों की नाजुक स्थिति और बुजुर्गों की देखभाल के बारे में बताया कि बुजुर्गों की देखभाल का मकसद बढ़ती उम्र की वजह से होने वाली बीमारियों की रोकथाम या उन्हें यथा संभव टालना है, ताकि बुजुर्गों को मत्य से पहले लंबे समय तक बीमारी न झेलना पड़े और स्वस्थ्य जीवन का आनंद ने सके। उन्होंने बताया कि क्रानिक गैर-संक्रामक बीमारियों में हृदय रोग, कैंसर, अस्थमा और डायबिटीज आदि शामिल है जबकि कैसर के कारण सबसे ज्यादा मौते होती है। उन्होंने बताया कि देखने में आया है कि डायबीटीज के सिर्फ 25 से 30 फीसदी रोगी ही दवाई का सेवन करते है। वहीं इंस्पैक्टर सीनियर लिविंग स्टेट्स प्रा. लि. के मुख्य पारिचालन अधिकारी अमन बत्रा ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ वरिष्ठ नागरिकों की नाना-प्रकार की समस्याएं भी बढ़ती है और क्रानिक गैर संक्रामक बीमारियों एक ऐसी ही समस्या है।